**भारत सरकार**

**रेल मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**14.12.2018 के**

**अतारांकित प्रश्‍न सं. 623 का उत्‍तर**

**आंध्र प्रदेश में रेल परियोजनाओं के लिए आवंटन**

**623. श्री वी. विजयसाई रेड्डीः**

**क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः**

(क) 2018 के हाल के बजट में रेल परियोजनाओं के लिए आंध्र प्रदेश हेतु आवंटित की गई राशि का ब्यौरा क्या है;

(ख) आंध्र प्रदेश में रेल लाइनों को दोहरा करने, विद्युतीकरण करने, आर ओ बी, आर यू बी आदि जैसी परियोजनाओं में से प्रत्येक के लिए आवंटित राशि का ब्यौरा क्या है;

(ग) प्रत्येक परियोजना के लिए अभी तक जारी तथा व्यय की गई राशि और उससे हुई प्रगति का परियोजनावार ब्यौरा क्या है; और

(घ) आंध्र प्रदेश में विशाखापट्टनम में अलग रेलवे जोन की स्थापना करने के कार्य में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है?

**उत्‍तर**

**संचार मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार) एवं**

**रेल मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री मनोज सिन्‍हा)**

(क) से (घ) : एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

\*\*\*\*\*\*\*

आंध्र प्रदेश में रेल परियोजनाओं के लिए आवंटन के संबंध में 14.12.2018 को राज्‍य सभा में श्री वी. विजयसाई रेड्डी के अतारांकित प्रश्‍न सं. 623 के भाग (क) से (घ) के उत्‍तर से संबंधित **विवरण**।

1. से (ग) : रेल परियोजनाओं  में  बजट का आबंटन राज्यवार नहीं किया जाता है। बहरहाल, आंध्र प्रदेश राज्य में  पूर्णत:/आंशिक रूप से पड़ने वाली नई लाइनें और  दोहरीकरण से संबंधित रेलवे परियोजनाओं  के लिए बजट 2018-19 में 2949 .45 करोड़ रुपये के परिव्यय  मुहैया कराया गया है।
* आंध्र प्रदेश राज्य में आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से पड़ने वाली 18 नई लाइनें और 15 दोहरीकरण की चालू परियोजनाएं हैं । स्थिति निम्नानुसार है: -

| **नई लाइनें** |
| --- |
| **क्र.सं.** | **परियोजना** | **स्‍वीकृतिका वर्ष**  | **नवीनतम प्रत्‍याशित****लागत (करोड़ रु. में)** | **31.3.2018 को व्‍यय (करोड़ रु. में)** | **व्यय** **2018-19** **(करोड़ रु. में)** | **वर्तमान स्थिति** |
| 1 | नांदयाल-येरागुंटला(123 किमी) | 1996-1997 | 1050 | 974.30 | 20 | येरागुंटला - कुंडू (120 किलोमीटर) यातायात के लिए खोल दिया गया है। शेष 3 किलोमीटर में कार्य शुरू हो गया है। |
| 2 | मचरेला-नालगोंडा(92 किमी) | 1997-1998 | 815 | 3.5 | - | वित्तीय रूप से अलाभकारी। इसलिए इसे आस्थगित रखा गया है। |
| 3 | काकीनाडा- पिठापुरम(22 किमी) | 1999-2000 | 220 | 0 .01 | 0. 1 0 | काकीनाडा से स्मॉलकॉट के बीच एक समानांतर दोहरी लाइन मौजूद है। परियोजना रोक दी गई। |
| 4 | कोटिपल्‍ली-नरसापुर(57 किमी) | 2000-01 | 2125 | 2 46 | 200 | भूमि अधिग्रहण शुरू हो गया है। तीन महत्वपूर्ण पुलों में से एक पर कार्य शुरू कर दिया गया है। |
| 5 | ओबूलावेरिपल्‍ली-कृष्‍णापटनम (113 किमी) | 2006-07 | 1825 | 323.5 | 200 | चरण-I वेंकटचलम -कृष्णपत्तनम(20 किमी): शुरू हो गया है। चरण-II   : ओबुलवारिपल्‍ले -वेंकटचलम (93 किमी): कार्य शुरू हो गया है। |
| 6 | टिंडीवनम-नागरी(185 किमी) | 2006-07 | 2300 | 230.51 | 10 | भूमि अधिग्रहण कार्य शुरू हो गया है।  |
| 7 | रायदुर्ग-तुमकुर(207 किमी) | 2007-08 | 2062 | 605 | 221 | i) रायदुर्ग-कादिरिदेवरपल्ली ( 63 किमी ): यातायात के लिए खोल दिया गया है।iii) कादिरिदेवरपल्ली -डोढाहल्ली (16 किमी): कार्य शुरू हो गया है।iv) डोढाहल्ली-तुमकुर (136 किमी): भूमि अधिग्रहण कार्य शुरू हो गया है। |
| 8 | कडापा ( कुड्डापाह ) -बंगलौर ( बंगारापेट )(252 किमी) | 2008-09 | 2133 | 408 | 175 | कडापा-पेंडलिमारी (21.3 किमी): यातायात के लिए खोल दिया गया है। शेष खंड में, भूमि अधिग्रहण कार्य शुरू हो गया है। |
| 9 | अट्टीपट्टू-पुत्तूर(88 किमी) | 2008-09 | 1105 | 3.34 | 6.05 | प्रारंभ में, परियोजना को एन्नोर पोर्ट ट्रस्ट (ईपीटी), शिपिंग मंत्रालय के साथ 50:50 की लागत भागीदारी के अंतर्गत शुरू किया गया था। ईपीटी ने नवंबर, 2012 में कहा कि वे परियोजना की लागत में भागीदारी नहीं करेंगे। |
| 10 | नाडिकुडे-श्रीकलाहस्ती(309 किमी) | 2011-12 | 2288 | 185 | 420 | न्यू पिदुगुरल्ला-सवल्यपुरम(46 किमी) : यह कार्य शुरू हो गया है। शेष खंड में, भूमि अधिग्रहण कार्य शुरू हो गया है। |
| 11 | गुडुर-दुर्गाराजपटनम(42 किमी) | 2011-12 | 761 | - | - | वित्‍तीय व्यवहार्यता की तंगी होने के कारण शिपिंग मंत्रालय इस परियोजना को बंदरगाह कनेक्टिविटी परियोजना के रूप में शुरू करने का अनुरोध किया गया है। |
| 12 | मारिकूप्‍पम - कुप्पम (24 किमी) | 2011-12 | 280 | 3.28 | 55 | भूमि अधिग्रहण कार्य शुरू हो गया है। |
| 13 | भद्राचलम-कोव्वुर (151 किमी) | 2012-13 | 2155 | 2.38 | 1 | तेलंगाना सरकार के अनुरोध के अनुसार, उनके राज्य में पड़ने वाली परियोजना के लिए संशोधित सर्वेक्षण किया गया है और इसे राज्य सरकार द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। आंध्र प्रदेश सरकार ने दिसंबर 2017 में लागत भागीदारी करने के लिए सहमति दे दी है। तेलंगाना राज्य सरकार से लागत भागीदारी करने के लिए अनुरोध किया गया है, उनकी सहमति अभी प्राप्‍त नहीं हुई है। |
| 14 | कम्‍बम-प्रोड्डुतूर(142 किमी) | 2013-14 | 1576 | 0.94 | 1.00 | अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त करने के अध्‍यधीन बजट 2013-14 में कार्य को शामिल कर लिया गया है। |
| 15 | कोंडापल्ली-कोथागोडम(125 किमी) | 2013-14 | 723 | - | - | अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त करने के अध्‍यधीन बजट 2013-14 में कार्य शामिल कर लिया गया है। कोंडापल्ली-पेनुबल्ली के बीच परियोजना की लंबाई 125 किमी से कम करके 81.57 किमी कर दिया गया है। कोथागोडम से पेनूबाली तक एक ही संरेखण के लिए तेलंगाना राज्य सरकार  से लागत भागीदारी करने के लिए अनुरोध किया गया है।  |
| 16 | चिकबल्लापुर -पुट्टपार्थी- श्री सत्यसाई निलयम (103 किमी) | 2013-14 | 692 | - | - | अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त करने के अध्‍यधीन बजट 2013-14 में कार्य शामिल था।  |
| 17 | श्रीनिवासपुरा-मदनापल्ली(75 किमी) | 2013-14 | 467 | - | - | अपेक्षित अनुमोदन प्राप्त करने के अध्‍यधीन बजट 2013-14 में कार्य शामिल था।  |
| 18 | अमरावती के रास्‍ते विजयवाड़ा-गुंटूर(106 किमी) | 2017-18 | 1723.56 | - | - | अपेक्षित अनुमोदन के अध्‍यधीन बजट 2017-18 में शामिल कर लिया गया है। डीपीआर की जांच की गई, बोर्ड ने पाया कि अमरावती  के रास्‍ते एर्रूपालेम-नामबूर को जोड़ना इस समय अधिक उपयोगी है, इसलिए, बोर्ड ने पहले लिंक अर्थात् अमरावती  के रास्‍ते एर्रूपालेम-नामबूर (56.53 किमी) को स्‍वीकृति दी है। 1732.56 करोड़ रु. की लागत वाली अनुमोदित अमरावती इकहरी लाइन के रास्‍ते एर्रूपालेम-नामबूर (56.53 किलोमीटर) के लिए संशोधित डीपीआर की जांच की जा रही है। |
| **दोहरीकरण**  |
| **क्र.सं.** | **परियोजना** | **स्‍वीकृतिका वर्ष**  | **नवीनतम प्रत्‍याशित****लागत (करोड़ रु. में)** | **31.3.2018 को व्‍यय (करोड़ रु. में)** | **व्यय** **2018-19** **(करोड़ रु. में)** | **वर्तमान स्थिति** |
| 19 | विजयवाड़ा – गुडिवाडा – भीमावरम - नरसापुर, गुडिवाडा-मच्छलीपट्टनम और विद्युतीकरण सहित भीमावरम - निदादावोलू डीएल (221 किमी) | 2011-12 | 1503 | 440 | 200 | कार्य शुरू हो गया है। |
| 20 | गुंटूर- तेनाली विद्युतीकरण सहित दोहरीकरण (24 किमी) | 2011-12 | 180 | 76 | 40 | कार्य शुरू हो गया है। |
| 21 | विद्युतीकरण सहित काजीपेट-विजयवाड़ा तीसरी लाइन (220 किमी) | 2012-13 | 1857 | 178 | 60 | चरण-।: विजयवाड़ा - कोंडापल्‍ली (17.49 किमी) : ब्लॉक खंडों में कार्य पूरा हो गया है। यार्ड का कार्य प्रगति पर है।चरण-II कोंडापल्ली-काजीपेट (202 किमी): राज्य सरकार को भूमि अधिग्रहण संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत कर दिया गया है। |
| 22 | दुव्वदा-विजयवाड़ा तीसरी लाइन (335 किमी) | 2015-16 | 3873 | 0.56 | 0.1 | परियोजना को पुन: शुरू कर दिया गया है और डीएफसीसीआईएल मानकों के साथ अद्यतन डीपीआर तैयार किया जा रहा है। |
| 23 | गूटी-धर्मवरम(9 0 किमी) | 2015-16 | 636.38 | 239 | 76 | भूमि अधिग्रहण शुरू हो गया है। कार्य शुरू हो गया है। |
| 24 | काल्‍लुरू-गुंतकल(41 किमी) | 2015-16 | 323 | 110.70 | 76.5 | खड़ारपेट-गुलापाल्यम 21.54 किमी पूरा हो गया और शेष खंड का कार्य शुरू हो गया है। |
| 25 | रेनीगुंटा, धर्मावरम,वाडी में बाईपास(21 किमी) | 2015-16 | 273.05 | 12 | 26 | रेनिगुंटा बाईपास (6.6 किमी): भूमि अधिग्रहण शुरू हो गया है ।गूटी बाईपास (3.8 किमी): भूमि अधिग्रहण शुरू हो गया है।वाडी बाईपास (10.60 किमी, डीएल) : कार्य योजना तैयार की जा रही है। |
| 26 | विजयवाड़ा, काजीपेट में बाईपास(30 किमी) | 2015-16 | 499.29 | 81.25 | 6.5 | भूमि अधिग्रहण शुरू हो गया है।  |
| 27 | विजयवाड़ा – गुडूर तीसरी लाइन (288 किमी)  | 2015-16 | 3246 | 46.20 | 250 | कार्य शुरू हो गया है।  |
| 28 | येलहंका-पेनुकोंडा का दोहरीकरण(121 किमी) | 2015-16 | 958 | 142 | 120 | कार्य शुरू हो गया है।  |
| 29 | विज़ियानग्राम-संबलपुर (टिटलागढ़) तीसरी लाइन (255 किमी) | 2015-16 | 2336 | 80 | 379 | कार्य शुरू हो गया है।  |
| 30 | भद्रक-विजयनगरम के बीच के शेष खंड में तीसरी लाइन। (525 किमी) | 2015-16 | 346 8 | 35 | 1 | परियोजना को पुन: शुरू किया गया और डीएफसीसीआईएल मानकों के साथ अद्यतन डीपीआर तैयार की जा रहा है। |
| 31 | गुंटूर- गुंतकल (443 किमी) | 2016-17 | 3631 | 81.70 | 200 | आर्थिक  मामलों  से संबंधित कैबिनेट समिति ने मई 2017 में परियोजना को स्‍वीकृति प्रदान कर दिया है। 159 किमी (दिगवमेटा-संतामगुरुरु ) में: मिट्टी संबंधी कार्य और छोटे पुलों के कार्य शुरू हो गए हैं। |
| 32 | कोट्टावलस-जगदलपुर (कोरापुट) (18 9 किमी) | 2015-16 | 2500 | 112 | 193 | कार्य शुरू हो गया है।  |
| 33 | मंकजिपल्ली और नागासमुद्रम दोहरी लाइन (छोड़कर ) के रास्‍ते पेनुकोंडा – धर्मवर्राम (41 किमी )  | 2018-19 | 294.7 | - - | - | बजट 2018-19 में नया कार्य शामिल था। |

* **आरओबी/आरयूबी आदि के लिए आवंटन: -**
* आंध्र प्रदेश राज्य में 79 ऊपरी सड़क पुल (आरओबी) और 221 निचले सड़क पुल (आरयूबी) स्‍वीकृत हैं, और   2018-19 के लिए इन कार्यों हेतु 236 करोड़ रु.आवंटित किए गए हैं।
* खर्च की गई राशि का राज्यवार विवरण नहीं रखा जा रहा है। बहरहाल, पूर्व तट रेलवे, दक्षिण रेलवे, दक्षिण मध्‍य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे आंध्र प्रदेश में आती हैं और 2018-19 के लिए आरओबी/आरयूबी के निर्माण के लिए कुल संचयी राशि 1176 करोड़ रुपये आवंटित की गई है और इन रेलों द्वारा अक्टूबर, 2018 तक 645 करोड़ रुपये व्‍यय किया गया है।
* 7 9 आरओबी में से, 12 आरओबी का कार्य पूरा हो चुका है और रेलवे के भाग के 14 आरआरबी का कार्य पूरा कर लिया गया है।  221 आरयूबी में से 153 आरयूबी का कार्य पूरा हो चुका है।

* आंध्र प्रदेश राज्य (आंशिक/पूर्ण रूप से) में चल रही रेलवे विद्युतीकरण परियोजनाओं का विवरण निम्नानुसार है: -

(करोड़ रुपये में )

|  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| क्र.सं. | परियोजना का नाम | कुल मार्ग किलोमीटर (आरकेएम) | 01.04.18 के अनुसार शेष मार्गकिलोमीटर  | परियोजना की कुल लागत  | 31.03.2018 तक व्‍यय  | 2018-1 9 के लिए परिव्यय |
| 1 | पगिडीपल्‍ली -नल्लापदु | 285 | 267 |  296.31 |  108.02 |  145.03 |
| 2 | तोरनागल्‍लू-रंजीतपुरा ब्रांच लाइन सहित गुंतकल - बेल्लारी - होस्पेट  | 138 | 138 |  226.68 |  67.00 |  50.00 |
| 3 | उम्‍दानगर- महबूबनगर को छोड़कर मनमाड - मुदखेड -ढोने  | 783 | 783 |  664.50 |  0.71 |  112.00 |
| 4 | गुंतकल-कल्‍लुरू | 40 | 40 |  50.00 |  35.00 |  15.00 |
| 5 | चिकजाजूर -बेल्‍लारी  | 184  | 184 | 158.70 | 1.00 | 16.00 |

(घ)    आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 की अनुसूची 13 (इंफ्रास्ट्रक्चर) की मद 8 के अनुसार, रेल मंत्रालय को आंध्र प्रदेश  से अलग हुए राज्‍य में एक नया रेलवे जोन स्थापित करने की व्यवहार्यता की जांच करने की आवश्यकता थी । अन्य बातों के साथ-साथ, एक नए रेलवे  जोन  को स्थापित करने की व्यवहार्यता की जांच करने के लिए,  वरिष्ठ रेलवे अधिकारियों  की एक समिति गठित की गई थी। समिति को अंतिम निर्णय लेने से पहले संसद सदस्यों, राज्य सरकार इत्यादि सहित विभिन्न हितधारकों से परामर्श करने के लिए कहा गया था। समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्‍तुत कर दी है। इस प्रक्रिया में शामिल जटिलताओं को ध्यान में रखते हुए, इस मामले की रेल मंत्रालय में और विस्तृत जांच की जा रही है।

**\*\*\*\*\*\***